Seventeenth Loksabha

>

Title: Development of Khagaul Chakradaha as an Astro tourise Centre and construction of an observatory named after Aryabhatta.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलिपुत्र) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद । मेरे संसदीय क्षेत्र पाटलिपुत्र के मसौढी प्रखंड के तारेगना डीह और दानापुर प्रखंड के खगौल के चक्रदाहा का नाम विश्व के महानतम गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट जी से जुड़ा हुआ है । आर्यभट्ट जी का जन्म कुसुमपुर में हुआ था, जो वर्तमान में पटना या पाटलिपुत्र कहलाता है । दानापुर प्रखंड के खगौल के चक्रदाहा में उन्होंने आश्रम बनाया था तथा मसौढी के तारेगना डीह में वेधशाला का निर्माण किया था । यह मान्यता है कि तारेगना का मतलब यह था कि वहां से आर्यभट्ट तारों की गणना किया करते थे । आर्यभट्ट जी ने ही सर्वप्रथम कहा था कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है । बीजगणित का जनक भी आर्यभट्ट जी को ही माना जाता है । पाई की 4 दशमलव तक शुद्ध गणना आर्यभट्ट जी ने ही की थी । आज जिसका उपयोग पूरे विश्व के**...(व्यवधान)**

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप शून्य काल में बहुत लंबा पढ़ रहे हैं ।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : आप एक मिनट में अपनी बात को समाप्त कीजिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : आप संक्षिप्त में बोलिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, आज उसका उपयोग पूरे विश्व के वैज्ञानिक हर खगोलीय मिशन में करते हैं । मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से इस ऐतिहासिक मौके पर यह अनुरोध करना चाहता हूं कि विश्व के महानतम

गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट जी की कर्मभूमि पाटलिपुत्र के संसदीय क्षेत्र के मसौढी के तारेगना डीह तथा दानापुर के खगौल चक्रदाहा को एस्ट्रो टूरिज्म केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए । इसके साथ ही तरेगना मसौढी के तारेगना डीह में आर्यभट्ट जी के नाम पर वेधशाला का भी निर्माण कराया जाए ।